पाठ - 14

'संघर्ष के कारण मैं तुनुक मिजाज हो गया : धनराज'

प्र01 गद्यांश

''मैं हमेशा से ही अपने-आपको बहुत असुरक्षित महसूस करने वाला इंसान हूँ। मैंने अपनी माँ को हमें पालने के लिए बहुत संघर्ष करते देखा है। मेरी इस तुनुकमिजाजी के पीछे कई वजहें हैं लेकिन मैं बिना लाग-लपेट वाला आदमी हूँ। ज़ेहन में जो आता है, सीधे - सीधे कह डालता हूँ और बाद में कई बार पछताना भी पड़ता है। मुझसे अपना गुस्सा रोका नहीं जाता और लोगों को जैसे मुझे उकसाने में मजा आता है। मुझे जिंदगी में हर छोटी-बड़ी चीज़ के लिए जूझना पड़ा, जिससे मैं चिड़चिड़ा हो गया हूँ, पर साथ ही साथ मैं बहुत भावुक इंसान हूँ। मैं किसी को तकलीफ में नहीं देख सकता।

उपयुक्त गद्यांश को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए --

प्र० 1) यह पंक्तियाँ किसके बारे में और क्यों कही गई ?

उत्तर .....

.....

प्र० 2) धनराज ने अपने स्वभाव के बारे में क्या सफाई दी ?

उत्तर .....

.....

प्र० 3) उनके व्यक्तित्व की क्या विशेषता है ?

उत्तर .....

.....

प्र० 4) पाठ की लेखिका के नाम पर गोला लगाइये ?

उत्तर महादेवी वर्मा, मीरा बाई, विनीता पाण्डेय

प्र02 नीचे दिए गए शब्दों को उनके पर्यायवाची शब्दों से मिलाकर लिखिए -

शब्द		पर्यायवाची	सही शब्द
पक्षी	-	पेड़, तरू, द्रुम	.....
सूरज	-	मेघ, धन, जलधर	.....
चन्द्रमा	-	खग, विहग, नभचर	.....
वृक्ष	-	रवि, भानू, सूर्य	.....
बादल	-	पहाड़ गिरि, अचल	.....

egyanarchive

प्र03 सही मिलान करो

रैफरी	--	क्रिकेट मैच का संचालनकर्त्ता
चार रन	--	हॉकी मैच का संचालन करने वाला
गोल की रक्षा करना	--	बांउड्री से बाहर टप्पा खाकर जाए
एंपायर	--	जो विकेट के पीछे बाल पकड़ता है
विकेट कीपर	--	गोल कीपर

प्र04 वाक्यांशो के लिए एक शब्द लिखो -

1) ईश्वर को न मानने वाला -- .....
2) काम से जी चुराने वाला -- .....
3) सप्ताह में होने वाला -- .....
4) जो सामने हो -- .....

egyanarchive